Visit of Defence Secretary to MDL

14 May 2024

Mazagon Dock Shipbuilders Ltd (MDL) today celebrates the completion of 250 years, commemorating an extraordinary journey, spanning over two and a half centuries. From a humble beginning as a small dry dock in 1774, to its incorporation in 1934, and subsequently, its stewardship under the Government of India since 1960, completion of 250 years of MDL is a milestone that marks a testament of resilience, growth and enduring legacy."

To mark this occasion of immense significance MDL today organized a series of events including inauguration of adjacent land acquired from MPA, launch of prototype of indigenous midget submarine 'Arowana', commissioning of Solar Electric Hybrid boat, release of MDL's Commemorative Coin marks the 250 years and conducting a daylong technical seminar.

Shri Giridhar Aramane, IAS, Defence Secretary was the chief guest on the occasion. Def Sec formally inaugurated the Contiguous piece of land acquired from the Mumbai Port Authority. This facility would be developed for simultaneous construction & outfitting of New Builds, Repairs / Refits of various types of vessels. The new infrastructure will give adequate bandwidth to MDL for simultaneous execution of various projects.

MDL has successfully completed platform design and hull of the midget submarine named 'Arowana' which was launched by Defence Secretary today. MDL has been building submarines since 1984 with foreign design. MDL has also commenced the design and development of an indigenous conventional submarine. Midget Submarine is being developed as a proof of concept. The team is parallely working on development of design of full scale conventional submarine by 2028.

The Defence secretary also commissioned the Solar Electric Hybrid boat with top speed of 11 Knots designed and co-developed with indigenous technology partner. The running cost is almost $1/10^{th}$ of a diesel boat and also has a very low maintenance cost.

In addition, a 24 pax Fuel Cell Electric Ferry named “SUCHI”, conceptualized by MDL & co-developed with indigenous technology partner, was also commissioned by the Defence Secretary. Its advanced technology has zero emissions, low acoustic signatures, leading to cleaner waterways and contributing to environmental conservation.

Shri Aramane also inaugurated the Technical Seminar on “Emerging Technologies and Future of Shipbuilding”. To commemorate 250 years of MDL’s existence, Def Sec also released a coin, issued by RBI, crafted to honor the rich history & enriching legacy of MDL. While congratulating MDL in his address Defence Secretary stated that MDL is a precious jewel in the crown of India and has contributed immensely in building capacities for naval and commercial purposes. He further added that MDL is the biggest shipyard in the country contributing most to the assets of the Indian Navy.

The events not only symbolize our journey but also serve as a testament to our commitment to excellence in maritime endeavours.

रक्षा सचिव का एमडीएल दौरा

14 मई 2024

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) आज ढाई शताब्दियों से अधिक अपनी असाधारण यात्रा को याद करते हुए 250 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है। 1774 में एक छोटी सूखी गोदी के रूप में इसकी शुरुआत से, 1934 में इसके निगमन, और तत्पश्चात्, 1960 से इसका प्रबंधन भारत सरकार के अधीन रहा। एमडीएल के 250 वर्ष पूरे करना एक मील का पत्थर है जो इसके विकास और स्थायित्व का एक परंपरागत प्रमाण है।

इस अवसर को अत्यधिक महत्वपूर्ण रूप में चिह्नित करने के लिए आज एमडीएल ने एमपीए से प्राप्त निकटवर्ती भूमि के उद्घाटन सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया । जिसमें स्वदेशी मिजेट पनडुब्बी 'एरोवाना' के प्रोटोटाइप का लॉन्च, सोलर इलेक्ट्रिक हाईब्रिड बोट की कमीशनिंग, एमडीएल के 250 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का जारी करना और एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार का आयोजन शामिल हैं।

इस अवसर पर रक्षा सचिव, श्री गिरिधर अरमाने, आईएएस, मुख्य अतिथि थे। रक्षा सचिव ने मुंबई पोर्ट प्राधिकरण से प्राप्त सन्निहित भूमि के टुकड़े का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। यह सुविधा विभिन्न प्रकार के जहाजों के निर्माण एवं मरम्मत/रीफिट के कामो को एक ही समय में करने के लिए विकसित की जाएगी। नया बुनियादी ढांचा विभिन्न परियोजनाओं के एक साथ निष्पादन के लिए एमडीएल को पर्याप्त बैंडविड्थ देगा।

एमडीएल ने सफलतापूर्वक 'अरोवाना' नाम की मिजेट पनडुब्बी का प्लेटफॉर्म डिजाइन और हल पूरा कर लिया है, जिसे आज रक्षा सचिव ने लॉन्च किया। एमडीएल 1984 से विदेशी डिजाइन वाली पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है। एमडीएल ने एक स्वदेशी पारंपरिक पनडुब्बी का डिजाइन और विकास भी शुरू कर दिया है। अवधारणा के प्रमाण के रूप में मिजेट पनडुब्बी को विकसित किया जा रहा है। टीम 2028 तक पूर्ण पैमाने की पारंपरिक पनडुब्बी के डिजाइन के विकास पर समानांतर रूप से काम कर रही है।

रक्षा सचिव ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी भागीदार के साथ डिजाइन और सह-विकसित 11 नॉट की शीर्ष गति से चलने वाली सोलर इलेक्ट्रिक हाईब्रिड बोट का कमिशनिंग किया। इसके चलाने की लागत एक डीजल बोट का लगभग 1/10वां हिस्सा है और रखरखाव की लागत भी बहुत कम है।

इसके अलावा, एमडीएल द्वारा संकल्पित और स्वदेशी प्रौद्योगिकी भागीदार के साथ सह-विकसित “सूची” नामक 24 लोगों को ले जाने वाली फ्युल सेल इलेक्ट्रिक फेरी को भी रक्षा सचिव ने कमीशन किया । इसकी उन्नत तकनीक में शून्य उत्सर्जन, कम ध्वनिक विशेषताएं हैं, जिससे जलमार्ग स्वच्छ रेहते हैं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलता है।

श्री अरमाने ने "उभरती प्रौद्योगिकियों और जहाज निर्माण के भविष्य" पर तकनीकी संगोष्ठी का भी उद्घाटन किया। एमडीएल के अस्तित्व के 250 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, रक्षा सचिव ने आरबीआई द्वारा जारी एस्मार्क सिक्के का भी अनावरण किया, जिसे एमडीएल के समृद्ध इतिहास और समृद्ध विरासत के सम्मान के तौर पर तैयार किया गया है। रक्षा सचिव ने अपने सम्बोधन में एमडीएल को बधाई देते हुए कहा कि एमडीएल भारत के ताज का अनमोल रत्न है और इसने नौसेना एवं वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण

योगदान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि एमडीएल देश का सबसे बड़ा शिपयार्ड है जो भारतीय नौसेना की संपत्ति में सबसे ज्यादा योगदान देता है। ये सभी आयोजन न केवल हमारी यात्रा के प्रतीक हैं बल्कि समुद्री प्रयासों में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में भी काम करते हैं।

MAZAGON DOCK SHIPBUILDERS LTD
SHIPBUILDERS TO THE NATION
RELEASE OF COMMEMORATIVE COIN,
SEMINAR AND PANEL DISCUSSION ON
"EMERGING TECHNOLOGIES
AND FUTURE OF SHIPBUILDING"
CHIEF GUEST
SHRI GIRIDHAR ARAMANE, IAS, DEFENCE SECRETARY
MAY 2024

RELEASE OF COMMEMORATIVE COIN,
SEMINAR AND PANEL DISCUSSION ON
TECHNOLOGIES
SHIPBUILDING”
2024

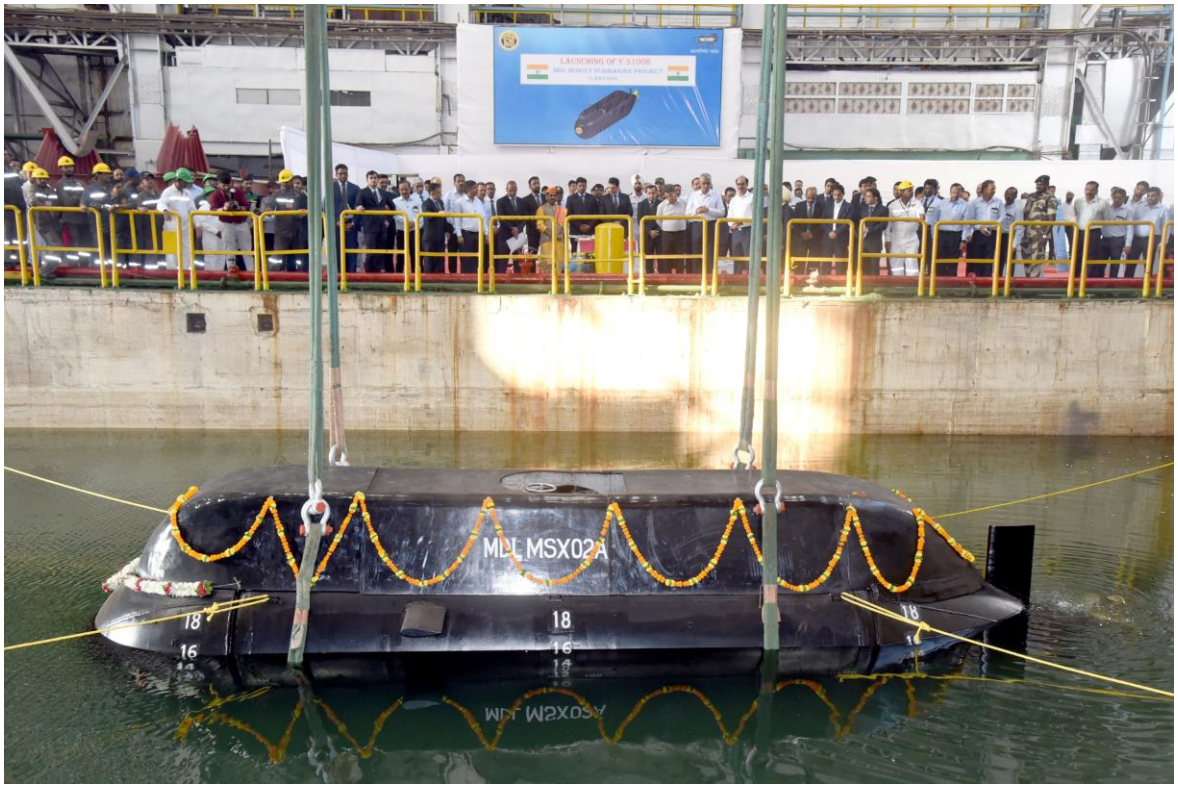
MDL MSX02A

MAZAGON DOCK SHIPBUILDERS LTD
SHIPBUILDERS TO THE NATION
RELEASE OF COMMEMORATIVE COIN,
SEMINAR AND PANEL DISCUSSION ON

RELEASE OF COMMEMORATIVE COIN,
SEMINAR AND PANEL DISCUSSION ON

LAUNCHING OF MIDGET SUBMARINE 'AROWANA'
MAZAGON DOCK SHIPBUILDERS LTD
SHIPBUILDERS TO THE NATION
RELEASE OF COMMEMORATIVE COIN
SERVICE TO THE NATION
INDIA
₹250